ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-३२
दिनांक- शुक्रवार, ११ मई, २०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३७.६ एवं २२.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ७६ सुबह में एवं दोपहर में ५२ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.८ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ५.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.२ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २७.५ एवं दोपहर में ३६.८ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आमतौर पर मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१२ से १६ मई,२०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १२ से १६ मई, २०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल आ सकते हैं। १४ मई के आस-पास उत्तर बिहार के जिलों में कहीं कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। वर्षा के समय हवा की रफ्तार तेज होने का अनुमान है।
- १६ मई तक अधिकतम तापमान ३७ से ३९ डिग्री सेल्सियस के आसपास बने रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान २३ से २५ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।
- औसतन १५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ७५ से ८० प्रतिशत तथा दोपहर में ३५ से ४० प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- मूंग एवं उरद की फसल में फलीछेदक कीट का प्रकोप दिखाई देने पर कीटनाशक दवा का छिड़काव करें। ईख की फसल में प्ररोह छिद्रक कीट की रोकथाम करें।
- हल्दी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। किसान भाई १५ मई से इसकी बुआई करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन ६० से ७५ किलोग्राम, स्फूर ५० से ६० किलोग्राम, पोटास १०० से १२० किलोग्राम एवं जिंक सल्फेट २० से २५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। हल्दी के लिए बीज दर २० से २५ क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार ३०-३५ ग्राम जिसमें ४ से ५ स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी ३०x२० से०मी० तथा गहराई ५ से ६ से०मी० रखे। अच्छे उपज के लिए २.५ ग्राम इन्डोफिल ४५ + ०.१ प्रतिशत बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से घोल बनाकर उसमें आधा घंटे तक उपचारित करने के बाद बुआई करे। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें।
- अदरक की बुआई १५ मई से करें। अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन ३० से ४० किलोग्राम, स्फूर ५० किलोग्राम, पोटास ८० से १०० किलोग्राम जिंक सल्फेट २० से २५ किलोग्राम एवं बोरेक्स १० से १२ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। अदरक के लिए बीज दर १८ से २० क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार २०-३० ग्राम जिसमें ३ से ४ स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी ३०x२० से०मी० रखे। अच्छे उपज के लिए रीडोमिल दवा के ०.२ प्रतिशत घोल से उपचारित बीज की बुआई करें।
- मिर्च की फसल में थ्रिप्स के व्यस्क एवं शिशु दोनो ही पत्तियों को खुरचकर उनका रस चुसते है जिससे पत्तियों पर सफेद छोटे-छोटे धब्बे बनते है। यह अतिसुक्ष्म आकार का कीट है। अधिक आक्रमण होने पर पत्तियाँ सिकुड़ जाती है। इससे बचाव के लिए फसल लगााने के कुछ दिन बाद पीला स्टीकी ट्रेप का प्रयोग करें। अधिक नुकसान की सिथित में इमिडाक्लोप्रिड १७.८ ई०सी० का १ मिली लीटर या डायमेथोएट ३० ई०सी० दवा का २ मिली लीटर प्रति ३ लीटर पानी की दर से घोल बना कर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- खरीफ धान की र्नसरी के लिए खेत की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे। देर से पकने वाली किस्मों की नर्सरी २५ मई से किसान भाई लगा सकते हैं।
- टमाटर की फसल को फल छेदक कीट से बचाव हेतु खेतों में पक्षी बसेरा लगायें। कीट से ग्रसित फलो को इकठा कर नष्ट कर दें, यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड ४८ इ०सी०@१ मि०ली० प्रति ४ ली० पानी की दर से आसमान साफ रहने पर छिड़काव करे।

आज का अधिकतम तापमानः ३७.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.६ अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २१.७ डिग्री सेल्सियस, सामान्य ०.४ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी